भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

09.08.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2187 का उत्तर

वंदे भारत रेलगाड़ियों के परिचालन संबंधी पहलू

2187. श्री एस. निरंजन रेड्डी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मौजूदा रेल अवसंरचना विशेष पटरियों की आवश्यकता के बिना वंदे भारत रेलगाड़ियों की परिचालन गति में सहायता करती है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) वंदे भारत रेलगाड़ियों का सुरक्षित और कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए पटरियों के स्तरोन्नयन अथवा रख-रखाव के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) देश भर में चल रही वंदे भारत रेलगाड़ियों की वर्तमान संख्या कितनी है और भविष्य में और अधिक वंदे भारत रेलगाड़ियां चलाए जाने की क्या योजनाएं हैं;

(घ) वंदे भारत रेलगाड़ियों के लिए मार्गों के चयन हेतु क्या मानदंड अपनाए जाते हैं; और

(ङ) क्या इन रेलगाड़ियों की सेवाओं का विस्तार नए क्षेत्रों में करने की योजनाएं हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

वंदे भारत रेलगाड़ियों के परिचालन संबंधी पहलू के संबंध में दिनांक 09.08.2024 को राज्य सभा में श्री एस. निरंजन रेड्डी के अतारांकित प्रश्न सं. 2187 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित **विवरण।**

(क) और (ख): भारतीय रेल नेटवर्क में विभिन्न खंडीय अनुमत गति वाले विभिन्न मार्ग शामिल हैं जिन पर वंदे भारत रेलगाड़ियों सहित पैसेंजर रेलगाड़ियों को चलाने की अनुमति है।

रेलपथ का उन्नयन करना सतत् प्रक्रिया है और भारतीय रेल ने संरक्षा और रेलपथ मानकों को बेहतर करने के लिए निम्नलिखित उन्नयन उपायों को शुरू किया है:

i. उन्नत आधुनिक कसनी प्रणाली के साथ प्रति किमी 1660 स्लीपरों के साथ प्रीस्ट्रेस्ड प्रबलित कंक्रीट (पीएससी) स्लीपरों पर 60 किलोग्राम आर260 और आर350 एचटी लंबी पटरियों वाली रेलपथ संरचना बिछाना।
ii. बेहतर फिटिंग आदि के साथ थिक वेब स्विचों और वेल्डेबल कास्ट मैंगनीज स्टील (सीएमएस) क्रॉसिंगों का उपयोग।
iii. फिश प्लेट जोड़ों की संख्या को कम करने के लिए वेल्डेबल सीएमएस क्रॉसिंग के साथ रेलपथ संरचनाओं का आधुनिकीकरण और यार्डों में मुख्य लाइनों के माध्यम से एलडब्ल्यूआर को जारी रखना।
iv. लंबे रेल पैनल उपलब्ध करवाकर थर्मिट झलाई के स्थान पर फ्लैश बट झलाई को अधिक करना और झलाई की विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए फेज्ड ऐरे अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग की उन्नत प्रौद्योगिकी द्वारा फ्लैश बट झलाई का परीक्षण करना।
v. पटरी का बेहतर अनुरक्षण और विश्वसनीयता के लिए उच्च आउटपुट प्लेन टैम्पर्स और प्वाइंट्स एवं क्रॉसिंग टैम्पर्स का उपयोग करके पटरी अनुरक्षण के लिए मशीनीकृत प्रणाली को अपनाना।
vi. परिसंपत्ति की विश्वसनीयता में और अधिक सुधार लाने के लिए रेल नेटवर्क पर भारत में विनिर्मित रेल ग्राइंडिंग मशीनों सहित अत्याधुनिक मशीनों को तैनात किया जाना है।
vii. गुणवत्ता को सुनिश्चित करने और मानव त्रुटियों को कम करने के लिए रेलपथ नवीकरण के बेहतर विकास हेतु पीक्यूआरएस, टीआरटी, टी-28 आदि जैसी रेलपथ मशीनों के उपयोग के माध्यम से रेलपथ बिछाने की गतिविधियों का यांत्रिकीकरण।

(ग) से (ङ): अब तक, भारतीय रेल पर 102 वंदे भारत गाड़ी सेवाएं परिचालित हैं, जो बड़ी लाइन विद्युतीकृत नेटवर्क वाले राज्यों को जोड़ती हैं। भारतीय रेलों पर वंदे भारत सेवाओं सहित नई गाड़ी सेवाएं शुरू करना यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन सतत् प्रक्रिया है।

*****